

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



विकास का विवास रिवाज के साथ

**₹ 53000 करोड़ की
13000 परियोजनाओं**

का प्रदेश-स्तरीय
भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्यमंत्री
रिवाज सिंह चौहान
द्वारा

6 अक्टूबर, 2023
पूर्वाह्न 11:30 बजे | रवींद्र भवन, भोपाल



- ₹ 18336.61 करोड़ की 18 जिलों की 33 सिंचाई परियोजनाएं
- ₹ 16193.28 करोड़ की 24 जिलों की जल प्रदाय परियोजनाएं
- ₹ 4657.34 करोड़ लागत की 15 जिलों की सड़क परियोजनाएं
- ₹ 2491.37 करोड़ लागत की अमृत 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) व स्मार्ट सिटी मिशन की विभिन्न परियोजनाएं
- ₹ 1674.27 करोड़ लागत के अस्पताल, कॉलेज, सीएम राइज स्कूल, हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल
- ₹ 1129.02 करोड़ लागत के 90 विद्युत उपकरण
- ₹ 8523.48 करोड़ की अन्य विकास परियोजनाएं

गवालियर एलिवेटेड कॉरिडोर

D11140/23

सीधा

प्रसारण



Webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyaPradesh@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

JansamparkMP



पूर्वजों की आत्मशांति के लिए किया तर्पण

भोपाल। श्राद पक्ष के चलते लोग अपने पूर्वजों की आत्मशांति के लिए तर्पण कर रहे हैं। नमदा घाटों में अलावा नदी में तर्पण कराया जा रहा है। इसी के साथ गरजधानी में शीतलदास की बीमारी में पूर्वजों की आत्मशांति के लिए तर्पण किया।

पुराना कलेक्ट्रेट भवन 8.50 हेक्टेयर जमीन पर बना है

प्रोफेसर कॉलोनी में नए कलेक्टर कार्यालय के निर्माण से पहले 8 विभागों को एनजीटी का नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रोफेसर कॉलोनी में 413 करोड़ रुपये से बनने वाले नए कलेक्ट्रेट कार्यालय के निर्माण से पहले एनजीटी ने 8 विभागों को नोटिस जारी कर दिया है। इस मामले में एक याचिका लगाई है, जिसमें पर्यावरण समेत अन्य पक्षों को शामिल किया गया है और कहा है कि इस निर्माण से नुकसान हो सकता है।

एनजीटी ने यह नोटिस कलेक्टर भोपाल, नगर निगम, टीएडीपी, यूएडीडी, स्टेट वेटलैंड अथारिटी, स्टेट एन्यायांसेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथारिटी आदि को दिया है। जिसमें 4 विभागों की कमेटी बनाई है।

याचिका में बताया गया है कि

छोटा तालाब धोजवेट लैंड का हिस्सा है। जिससे इसके आसपास 50 मीटर तक कोई निर्माण नहीं हो सकता है।

तब भी टीएडीपी ने इसका लैंड्यूज बदलते हुए 50 की बजाय 33 मीटर तक के क्षेत्र को जोन आफ इन्स्ट्रुअंस माना है जो सही नहीं है।

वहीं सिया में पर्यावरण अनुमति लेने के लिए

छोटे तालाब से इसकी दूरी जिक्र नहीं की,

जबकि इसमें बड़े तालाब की दूरी 300 मीटर बताई है ताकि अनुमति में आपत्ति न आए। साथ ही यहाँ 390 पेड़ हैं, इन्हें काटने की अनुमति मांगी गई है लेकिन ये पेड़ 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं, इन्हें काटने की अनुमति नहीं दी जा सकती। याचिका में बताया कि पुराना

पर्यावरण को हानि नहीं होगी।

इधर, एनजीटी द्वारा इस मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी बना दी गई है। इसमें मिनिस्ट्री आफ एनवायरमेंट फोरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज, स्टेट वेटलैंड अथारिटी भोपाल, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सिया के पदाधिकारी शामिल होंगे। चार सदस्यीय टीम खाली परिक्षण कर अपनी रिपोर्ट एनजीटी को छह सप्ताह में सौंपेगी।

हालांकि इसमें सिया ओर स्टेट वेटलैंड अथारिटी को प्रतिवादी बनाया गया है, किंतु भी जांच कमेटी में भी शामिल किया गया है।

उत्तेजित नियोग है कि बड़ा और छोटा दोनों तालाबों को मिलाकर धोज वेटलैंड बना है। ऐसे में बड़े तालाब की तरह छोटे तालाब के किनारे 50 मीटर तक निर्माण प्रतिबंधित है लेकिन यहाँ 33 निर्माण तक निर्माण की अनुमति दी गई है जो कि वेटलैंड प्रबंधन एवं संरक्षण नियम 2017 का उल्लंघन है। वहीं वेटलैंड नियम भारत सरकार ने बनाए हैं, इसमें प्रधीर की शासकीय एजेंसियों या राज्य सरकार द्वारा बदलाव नहीं किया जा सकता।



कलेक्टर भवन 8.50 हेक्टेयर जमीन पर बना है। जबकि प्रोफेसर कॉलोनी में करीब आठ हेक्टेयर में नए कलेक्टर कार्यालय व कार्यालय एवं संरक्षण नियम भारत सरकार ने बनाए हैं, इसमें प्रधीर की शासकीय एजेंसियों या राज्य सरकार द्वारा बदलाव नहीं किया जा सकता।

नियम की अनुमति दी गई है जो कि वेटलैंड प्रबंधन एवं संरक्षण नियम 2017 का उल्लंघन है। वहीं वेटलैंड नियम भारत सरकार ने बनाए हैं, इसमें प्रधीर की शासकीय एजेंसियों या राज्य सरकार द्वारा बदलाव नहीं किया जा सकता।

सैनिक कॉलोनी की सड़कों एवं नालियों के लिए भूमिपूजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

वार्ड पांच में सैनिक कॉलोनी स्थित

सड़कों एवं नालियों का पार्श्व

अशोक मारण ने

भूमिपूजन किया। पांडित

रवि पटेरिया एवं पंडित

राजकुमार गर्ग ने मंत्र

उत्तरांश के साथ

भूमिपूजन कराया।

इस अवसर पर

मारण ने कहा कि यहाँ

पर लगाया पच्चीस से

तीस लाख रुपए तक

सीमेंट कांडोटी की

सड़कों एवं नालियों का

कार्य किया जायगा यहाँ

पर बरसात के समय स्थानीय

रहवासियों को परेशानियों का

सामना करना पड़ता था। बजट के

कुछ परेशानियां आईं पर वार्ड में

विकास करना मेरी सबसे पहले

काग्रेस नेता माधु चांदवानी, राज मनवानी, महेश गुबानी, नरेन्द्र केवलानी, जीतेश खानचंदानी,

कृष्ण नायर नायर नायर नायर

नायर नायर

36.62 લાખ લાડલી બદનોં કો ₹ 450 મેં ગૈસ રીફિલ યોજના



કી ₹ 219 કરોડ
અનુદાન રાશિ કા
સિંગલ રિલિફ સે અંતરણ

મુખ્યમંત્રી

રિવિંગ સિંહ ચૌહાન

દ્વારા

મોપાલ, અપારાણ 12:30 બજે

તથા



તેંદૂપત્તા સંગ્રાદકોં કો 56 કરોડ કે હિતલાભ વિશે

બિશે પિછડી જનજાતિ બેગા, ભારિયા ઔર સહાયિયા કી

1.85 લાખ બદનોં કો ₹ 27.87 કરોડ

આહાર અનુદાન અંતરણ (અક્ટૂબર સે ₹ 1500)

એવં

જનજાતીય સમ્માન સમારોહ-2022

ડિડોરી, અપારાણ 2:00 બજે



રાની
દુર્ગાવિતી
સમ્માન



વીર શંકર શાહ,
રઘુનાથ શાહ
સમ્માન



જનનાયક
ટંડ્યા ભીલ
સમ્માન



બાદલ
ભાઈ
સમ્માન



જંગાણ
શ્યામ
સમ્માન



ઠકુર
બાપા
સમ્માન

ગાંધીજીના સરકાર જનજાતીય સમાજ કે ઉત્થાન ઔર ગોદવ સંરક્ષણ મને ઉલ્લંઘ યોગદાન કર રહી હૈ સમ્માનિત

6 અક્ટૂબર, 2023





સબકી ઉજ્જ્વલિત પ્રયાસ ઔર દેશ મેં પ્રદેશ કો નયી પહુંચાન દેને વાલી વિકાસ યાત્રા મુખ્યમંત્રી શિવરાજ સિંહ ચૌહાન કે નેતૃત્વ મેં જારી હૈ.....

નિરંતર જારી મધ્યપ્રદેશ કી વિકાસ યાત્રા

નયે બડે નિર્ણય

₹ 6000 કરોડ લાગત કી 18 સિંચાઈ પરિયોજનાએ



ચિતાવદ - ઉજ્જોન, મેઢા - બૈતૂલ, પંહેટી - ગુના, લોની - રીવા, રવામાંદી - કટની, ડોકરીએડી - નર્મદાપુરમ, સોનપુર - શિવપુરી, થાવાં - મંડલા, મુરકી-ડિડોટી, પાવા-શિવપુરી, સિરમોટ-રીવા, કનેરા-ભિંડ, મલ્હારગઢ-મંડસૌર, દેવસી-નર્મદાપુરમ, સીતલાંદ્રિયા-બૈતૂલ, આહુ-આગામ માલવા, બગલીપીઠ-બાલાઘાટ ઔર પહાડિયા-રીવા

સિંચાઈ પરિયોજનાઓ સે 2.5 લાખ હેક્ટેયર વધેણા સિચિત ક્ષેત્ર

1250 ગંગાને 2 લાખ કિલોમીટર હોંણે લાભાન્વિત

સેવામુક્ત હોને પણ કોટવારોને કો આર્થિક સુરક્ષા

સેવા મુક્ત હોને પણ કોટવારોને ₹1 લાખ કી સહાયતા દ્યાયિ

અબ નહીં દેની પડેણી બાર-બાર ફીસ

વિભિન્ન પ્રતિયોગી પટીકાઓ કે લિએ અબ સિર્કલ રન ટાઇમ પટીકા શુલ્ક વિસ્તૃત રૂપાંતરણ કી સુવિધા

પોષણ હોગા અબ ઔર બેહાર

જનજાતીય પરિવારોને પોષણ કે લિએ હિતગ્રાહ્યિઓની યાણિ ને વૃદ્ધિ કરતે હુએ અનુદાન ₹1250 કી જગત નિલેગા ₹1500 પ્રતિગાડ

વનકર્મિયોનો વિરોષ અનુદાન

શહીદ વનકર્મિયોનો પરિવાર કો ₹10 લાખ સે બઢકર નિલેગા ₹25 લાખ કા અનુભૂત અનુદાન

સ્કૂટી પ્રદાય યોજના કી પ્રક્રિયા હુઈ સરલ

ધ્રારીય વિશાળ્યોને પ્રથમ આને વાલે છાત્રોનો નિઃશુલ્ક ઈ-સ્કૂટી/સ્કૂટી પ્રાપ્ત કરને કી પ્રક્રિયા કા સંદૂકીકરણ

લોક કલાકારોનો માનદેય બઢા

કર્મચારીઓનો આયુષ્માન સે નિઃશુલ્ક ઇલાજ

શાસકીય કર્મચારી ઔર સંવિદા કર્મચારીઓનો ભી નિલેગા અબ આયુષ્માન ભારત - પ્રધાનમંત્રી જળ આટોગ્રાની યોજના કા લાભ

ઓંગનગડી કાર્યકર્તા, પંચાયત સાચિવ, ગ્રામ દોઢ્ગાર સહાયક, આશા વ ઝાડ કાર્યકર્તા, આશા સુપટેન્ડિઝર, કોટવાર હોંગે પાત્ર

₹ 3156 કરોડ કી સડક પરિયોજનાએ

યાતાયાત હોગા સુગમ, આર્થિક ગતિવિધિઓનો નિલેગા બઢાવા, ભોપાલ-ઇંડોર, રાજગઢ એં પુરાણા ભોપાલ, 8 લેન માર્ગ કે નિર્માણ કો સ્વીકૃતિ

ભોપાલ કે કમલા પાર્ક સે રાન્ગુંગાંત તક 8 લેન એલિવેટેડ કોરિડોર

પ્રશાસનિક સુદૃઢીકરણ

પંદુર્ણ એં મેંદ્ર 2 નયે જિલોનો નિર્માણ

ઉજ્જોન મેં ઉલ્લેલ, બાલાઘાટ મેં લામતા, રાયસેન મેં બમ્બારી વિસ્તૃત સુલ્તાનગંજ ઔર મંડસૌર વિસ્તૃત કાયામપુર 5 નયી રદ્દસીલોનો નિર્માણ

8 ગ્રામ પંચાયતેં બનોંગી નગર પરિષદ ઔર વ્યોધારી બનોંગી નગર પાલિકા

વિવેકાનંદ યુગ સંસાધન કેંદ્ર

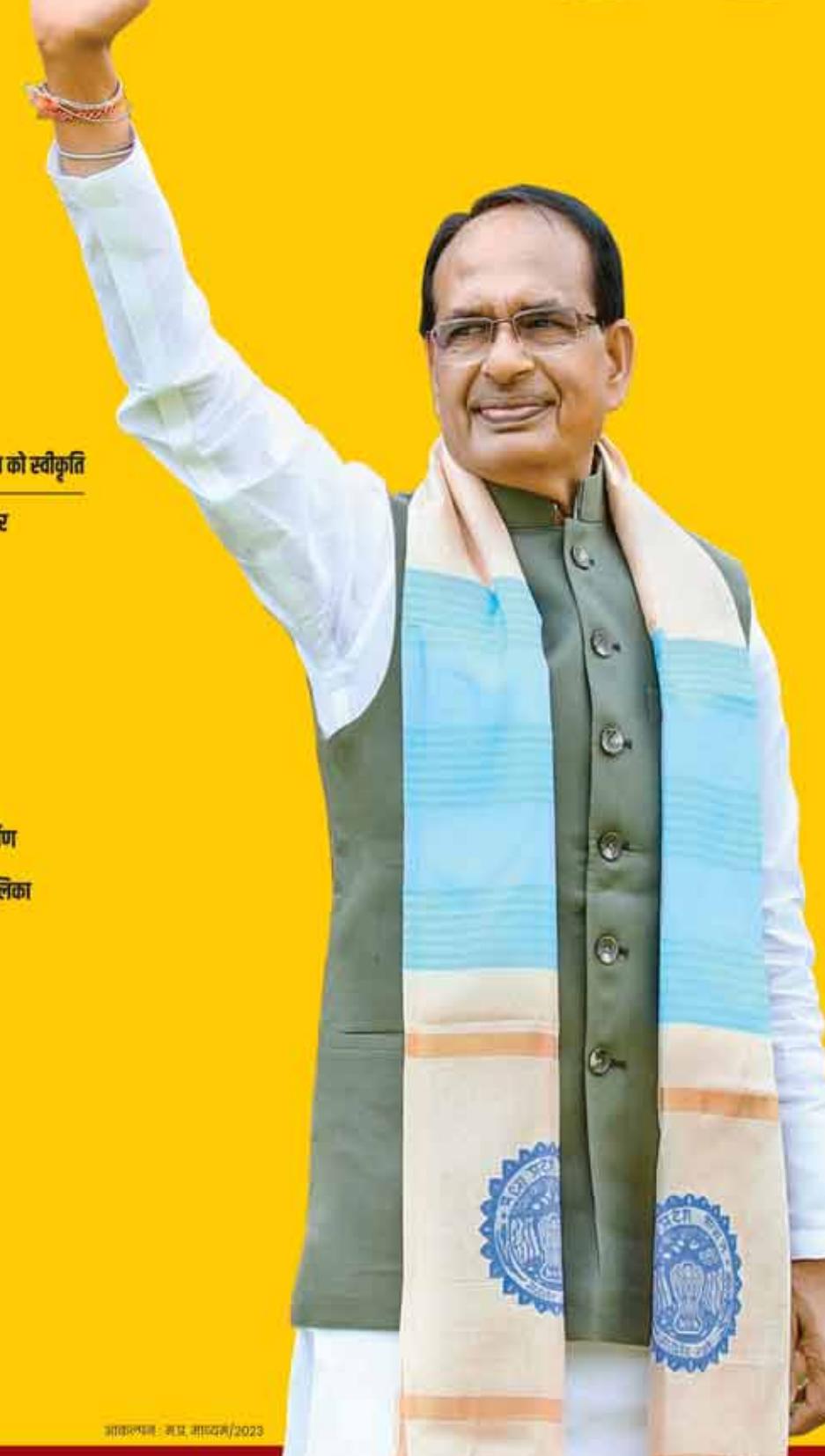
યુગાંડોને ક્ષમતા નિર્માણ કે લિએ 52 જિલોને સ્થાપિત હોંગે

સર્વીસિધ્યાયક વિવેકાનંદ યુગ સંસાધન કેંદ્ર

₹ 74 કરોડ કી સ્વીકૃતિ

દેનિક માનદેય 800 સે બઢકર ₹1500

તથા અત્તા 250 સે ₹500



सरकार ने एस्मा लगाया लेकिन पालन कराने वाले खुद हड़ताल पर

हड़ताल में पहली बार अधिकारी, इंजीनियर भी शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में दूसरे दिन शनिवार को भी हड़ताल जारी है। अधिकारी, इंजीनियर से लेकर कर्मचारियों ने काम बंद कर रखा है। जिसके कारण उपभोक्ता हल्कान है।

शिकायतों का नियरकरण बंद है। तब भी सभी चुप्पी नहीं तोड़ रही है। कार्यवाही के नाम पर केवल एस्मा लगाया है लेकिन एस्मा के तहत कार्यवाही करने वाले अधिकारी खुद हड़ताल का नेतृत्व कर रहे हैं। यह हड़ताल शाम तक जारी रही तो प्रदेश भर में आपूर्ति व्यवस्था चरमाना तय है।

यही हाल रही तो प्रदेश भर में शाम तक व्यवस्थाएं चरमाना तय है। मध्य क्षेत्र विवृत वितरण कंपनी के कॉल सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक भोपाल क्षेत्र में शुक्रवार से लेकर शनिवार दोपहर तक 8000 से अधिक शिकायतें लेबित हैं, जिनका नियरकरण नहीं हुआ है। वहीं उपभोक्ता के बिलों में सुधार का काम और नए केनेशन जैसी सुविधाएं तो पूरी तरह बंद है।

हड़ताल करने वाले में विवृत मंडल के नियमित अधिकारी, इंजीनियर, कर्मचारी, बिजली कंपनियों का नियमित अमला, पेंशन और संविदा पर रखा गया स्टफ शामिल है। ये नई पेंशन योजना को बंद कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने, बिजली कंपनी में निजी कारोबार को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियां बंद करने, महाराई भत्ता देने, वेतन विसंगति दूर करने जैसी मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं।

इनके बहुत में चल रही हड़ताल : यह हड़ताल प्रदेश व्यापारी है, जिसका असर भोपाल समेत आसपास के जिलों पर अधिक दिखाई दे रहा है। वहीं डीटॉर, जबलपुर, ग्वालियर में भी हड़ताल की वजह से उपभोक्ता परेशन होने लगे हैं। यह हड़ताल मप्र विवृत मंडल अभियंता संघ, सूनाइटेड फोरम फार पावर इम्पालाइंज एंड इंजीनियर्स और पावर इंजीनियर एवं एम्पालाइंज एसोसिएशन के संयुक्त आल्हान पर की जा रही है। जिसमें तीनों बिजली वितरण कंपनी समेत 6 कंपनी के सवाल आखिरी अधिकारी, इंजीनियर व कर्मचारी शामिल है।



आरोप- आशवासन दिया लेकिन पूरा नहीं किया

फोरम के संस्थक वीकेएस परिहार व अन्य संगठनों के विकास कुमार शुक्रवार, अजय कुमार मिश्रा का अरोप है कि पूर्व में ही सासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर निजीकरण वापस लेने, पेंशन की सुविधाओं को पुरानी पेंशन देने, डीआर और चुरुचुरे वेतनमान के अदेश जारी करने, सतावें वेतनमान में तीन स्टार मैट्रिक्स विलोपित करने, संविदा इंजीनियरों को नियमित करने, आउटसोर्स कर्मचारियों का मानदेय बढ़ावा, उनके साथ दुर्घटना होने पर 20 लाख रुपये अर्थिक मदद देने, तीन हजार रुपये हर माह जोखिम भत्ता देने, वेतन विसंगति दूर करने, अनुकूल नियुक्ति के प्रकरण जल्द निपटाने, प्रदोषत देने

जैसी मांगें रखी थीं। इन मांगों पर अधिकारियों ने आशवासन भी दिया था लेकिन इनमें से एक भी मांगों को पूरा नहीं किया। वीकेएस परिहार का कहना है कि कुछ अधिकारी शासन व सोसायम हाउस को गुप्तराह कर बिजली अधिकारी, इंजीनियर व कर्मचारियों को अनसुना कर जबरन विशेष की स्थिति पैदा कर रहे हैं। एस्मा बे असर : ड्वार शासन ने काम बंद के खिलाफ एस्मा लगाया है। पहले दिन भी एस्मा के तहत कोई कार्यवाही नहीं हुई थी और दूसरे दिन दोपहर तक भी किसी तरह की कार्यवाही की सूचना नहीं है। जबकि बिजली अधिकारी, कर्मचारी गोविंदपुरा स्थित बिजली मुञ्जालय के परिसर में बैठे हैं।

प्रदेश में पहली बार अभूतपूर्व कंगाली की स्थिति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने प्रदेश में गंगीर वित्ती संकट की परिस्थितियां बनाने का आरोप मुख्यमंत्री शिवराजसिंह पर लाया है।

अजय सिंह का आरोप, खजाना खाली, आहरण पर अधोषित रोक, श्वेत पत्र जारी करें

उन्होंने कहा हाल यह है कि सरकारी लोगों की तनखाव के अलावा कोई आहरण नहीं किया जा रहा है। मजदूरी दर पर रखे कर्मियों की मजदूरी रोक ली गई है। ग्रेड्युली, जीपीएफ, बीमा, अवकाश नकदीकरण और शुरुआती पेंशन आदि के भुगतान पर पूरी रोक लगा दी गई है। बड़े विभागों का बजट वापस लिया जा रहा है। उन्हें दोनों की डिजिटिंग मनी भी खर्च कर दी गई है। कंगाली की यह स्थिति प्रदेश के इतिहास में पहली बार आई है। सिंह ने कहा कि यह स्थिति फिल्मे 10-15 दिनों से है। सर्वर की गड़बड़ी का बहाना बना कर सब कुछ रुका हुआ है। सरकार में अफरातफी मरी है। ऐसा लगता है कि अब मध्यप्रदेश को झटका देने वाली वित्ती संसाधाओं ने अपने बाहर खड़े कर दिए हैं। सिंह ने कहा कि यदि खजाने की स्थिति खाली नहीं है तो मुख्यमंत्री को स्थिति स्पष्ट करना चाहिए। सरकार की ओर से इस संबंध में एक श्वेत पत्र जारी होना चाहिए ताकि किसी प्रकार का कोई भ्रम न रहे। उन्होंने कहा कि वित्ती संकट से निबटने के लिए समय रहते तकाल व्यवहारिक कदम उठाने चाहिए ताकि अप्रिय परिस्थितियों से बचा जा सके।

कर्मचारी मंच की बैठक संपन्न

भोपाल। एस्मा कर्मचारी मंच के प्रधानिकरियों की बैठक 12 दशर जवाहर बौद्ध मीटिंग हाल में सफल हुई। बैठक की अध्यक्षता प्राप्त अध्यक्ष अशोक पांडे ने की। बैठक में अनियमित कर्मचारी, रस्वाई कर्मियों, दैनिक वेतन भीमी, अंशकालीन कर्मचारी, पीपीएस कर्मचारियों, पंचायती कौदीदारों एवं वन सुरक्षा श्रमिकों ने उनको सरकार द्वारा 12 सूनी मार्गों को सँझान में लेकर मजूर न करने पर असंतोष व्यक्त किया। वहीं निर्णय लिया गया कि अब अनियमित कर्मचारी 9 अक्टूबर को अपनी 12 सूनी मार्गों का ज्ञापन द्वारा वल्मी भवन पर चरसा कर्गे तथा मुख्य संविधि से मार्ग करेंगे कि मार्गों को मंजूर करके आदिग जारी किया जाए। बैठक में अशोक पांडे, सुनील पाठक, शिव प्रसाद सांगुले आदि सदस्य शामिल थे।

दंपति में विवाद, पत्नी ने पीया फिनाइल, पति ने लगाली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुदामा नगर में दंपति के बीच हुए विवाद में पत्नी ने फिनाइल पी लिया। उसके जेठ और जितानी उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे। इधर पति ने घर पर फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्म कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से सुदामाइन नाट नहीं मिला है।

पुलिस के अनुसार एस्मा संतोष उर्फनराज पवार (35) सुदामा नगर, ऐशबाग में रहता है। वह संयुक्त परिवार में रहता था और उसके साथ भाई भाई छान्त मर्म अन्य लोग रहते थे। संतोष पवार के यहां दो मकान थे, क्रमांक 199 और 200 नंबर के मकान में परिवार रह रहा है। संतोष मंडीदीप की एक कंपनी में नौकरी करता था और शराब पीने का आदी था। उसकी शराब पीने की लत के कारण आए दिन उसका पत्नी से विवाद होता रहता था। गुरुवार रात भी पति पत्नी में विवाद पीड़ी लिया। उसे उसका जेठ और जितानी लेकर अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल से इलाज कराने के बाद परिजन उसे घर ले आए। सुबह करोब दस बजे संतोष के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद वार्षा देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो किसी तरह से दरवाजा खोला गया था। दरवाजा खोलने पर पता चला कि संतोष ने दुष्ट देंगे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली है। उसकी की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण एफएसएल की टीम से कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया है।



कैंसर की बीमारी से परेशान होकर युवक ने लगाई फांसी

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित एच सेक्टर में एक युवक के बांसी लगाने के बाद लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसे कैसर था और उसकी कीमी थीरी भी परिजन करा रहे थे। अनुमान है कि बीमारी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। हेड कांस्टेबल मनीष मिश्रा ने बताया कि रवि चौरे पीटा कर शव पीएम के बाद रहता था। वह कैंसर की बीमारी से परेशान था। उसे अक्सर खून की उल्टियां होती थीं। परिजन उसका इलाज के साथ काम कीमारीरीपी भी करा रहे थे। परिजन ने बताया कि गुरुवार रात वह अपने कमरे में सोया था। शुक्रवार सुबह उन्हें चक्कर आया और वह बेसुध होकर गिर गए। परिजन उन्हें अस्पताल ले कर पहुंचे। वहां से जय प्रकाश अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। जय प्रकाश अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उनकी मृत्यु हो गई है। पुलिस ने बताया कि उनके एक बेटा था, वह भी पुलिस में था। करीब दो साल पहले उसका सड़क हादसे में निधन हो चुका है।

आईएसबीटी के पास निर्माणाधीन मल्टी के बेसमेंट में भरे पानी में ढूबकर मजदूर की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित अईएसबीटी के पास बन रही निजी अस्पताल की निर्माणाधीन मल्टी के बेसमेंट में भरे पानी में ढूबने से मजदूर की मौत हो गई। घटना एक दिन पुरानी बताई जा रही है। शुक्रवार को पानी में लाला ने घटना को जारी नहीं किय